International Journal of Engineering, Science and Humanities
An international peer reviewed, refereed, open-access journal
Impact Factor 8.3 www.ijesh.com ISSN: 2250-3552

मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था में पर्यटन उद्योग: संभावनाओं एवं चुनौतियों का समीक्षात्मक अध्ययन (बैतूल जिले के विशेष सन्दर्भ में)

Gourav Deriya
Research Scholar, Department of Economics, Malwanchal University, Indore
Dr. Ananta Deshmukh
Supervisor, Department of Economics, Malwanchal University, Indore

सार (Abstract)
यह समीक्षात्मक अध्ययन मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था में पर्यटन उद्योग की भूमिका, संभावनाओं तथा चुनौतियों का विश्लेषण प्रस्तुत करता है, जिसमें विशेष रूप से बैतूल जिले को केंद्र में रखा गया है। मध्य प्रदेश अपनी समृद्ध प्राकृतिक संपदा, ऐतिहासिक धरोहरों, वन्यजीव विविधता तथा सांस्कृतिक विरासत के कारण भारत के प्रमुख पर्यटन राज्यों में से एक है। इस अध्ययन का उद्देश्य विभिन्न विद्वानों द्वारा प्रकाशित शोधों, सरकारी रिपोर्टों एवं नीतिगत दस्तावेजों के आधार पर पर्यटन क्षेत्र के आर्थिक योगदान, रोजगार सृजन, क्षेत्रीय विकास तथा सामाजिक प्रभावों का मूल्यांकन करना है। बैतूल जिला, जो सतपुड़ा क्षेत्र में स्थित है, प्राकृतिक पर्यटन, इको-टूरिज्म तथा जनजातीय पर्यटन के लिए अत्यधिक संभावनाशील है, किन्तु अवसंरचनात्मक कमी, विपणन की सीमाएँ, निवेश की कमी तथा प्रशासनिक चुनौतियाँ इसके विकास में बाधा उत्पन्न करती हैं। अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि पर्यटन उद्योग न केवल राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान देता है, बल्कि स्थानीय समुदायों के जीवन स्तर में सुधार तथा सतत विकास को भी बढ़ावा देता है। साथ ही, यह अध्ययन सुझाव देता है कि यदि प्रभावी नीतियों, डिजिटल प्रचार, सार्वजनिक-निजी साझेदारी तथा स्थानीय सहभागिता को बढ़ावा दिया जाए, तो पर्यटन क्षेत्र को आर्थिक विकास के एक प्रमुख स्तंभ के रूप में विकसित किया जा सकता है।

Keywords: पर्यटन उद्योग, मध्य प्रदेश, बैतूल जिला, आर्थिक विकास, चुनौतियाँ

प्रस्तावना

पर्यटन उद्योग आज वैश्विक स्तर पर आर्थिक विकास का एक महत्वपूर्ण साधन बन चुका है, जो न केवल विदेशी मुद्रा अर्जन में सहायक है, बल्कि रोजगार सृजन, क्षेत्रीय विकास और सांस्कृतिक संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत में पर्यटन उद्योग का विस्तार तेजी से हुआ है, जिसमें मध्य प्रदेश एक प्रमुख राज्य के रूप में उभरा है। "हिंदुस्तान का दिल" कहे जाने वाला मध्य प्रदेश ऐतिहासिक स्मारकों, राष्ट्रीय उद्यानों, धार्मिक स्थलों और विविध सांस्कृतिक परंपराओं के कारण पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है। खजुराहो, सांची, भीमबेटका जैसे विश्व धरोहर स्थल राज्य की पहचान को वैश्विक स्तर पर स्थापित करते

International Journal of Engineering, Science and Humanities
An international peer reviewed, refereed, open-access journal
Impact Factor 8.3 www.ijesh.com ISSN: 2250-3552

हैं। इसके अतिरिक्त, राज्य सरकार द्वारा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाएँ और नीतियाँ लागू की गई हैं, जिनसे पर्यटन क्षेत्र का विस्तार हुआ है।

बैतूल जिला, जो सतपुड़ा पर्वत श्रृंखला में स्थित है, प्राकृतिक संसाधनों, वन्य जीवन, जलप्रपातों तथा जनजातीय संस्कृति के कारण पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। हालांकि, इसके बावजूद यह जिला अभी भी पर्यटन मानचित्र पर अपेक्षाकृत कम विकसित है। इस अध्ययन का उद्देश्य उपलब्ध साहित्य के आधार पर पर्यटन उद्योग की वर्तमान स्थिति, संभावनाओं और चुनौतियों का विश्लेषण करना है। यह अध्ययन यह भी जांचता है कि पर्यटन किस प्रकार स्थानीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है तथा किन कारकों के कारण इसका विकास बाधित होता है। इस प्रकार, यह शोध पर्यटन क्षेत्र के सतत विकास के लिए आवश्यक नीतिगत सुधारों की दिशा में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

पर्यटन एवं आर्थिक विकास का सैद्धांतिक आधार

पर्यटन उद्योग सेवा क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण भाग है, जो प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष दोनों प्रकार से आर्थिक गतिविधियों को प्रभावित करता है। आर्थिक सिद्धांतों के अनुसार पर्यटन "मल्टीप्लायर प्रभाव" उत्पन्न करता है, जिसके अंतर्गत पर्यटन में किया गया निवेश अन्य क्षेत्रों जैसे परिवहन, होटल, हस्तशिल्प, कृषि तथा स्थानीय बाजारों में भी विकास को प्रेरित करता है।

सतत पर्यटन की अवधारणा इस क्षेत्र में विशेष महत्व रखती है, जिसमें पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक न्याय एवं आर्थिक लाभ के बीच संतुलन बनाए रखने पर बल दिया जाता है। बैतूल जिले जैसे क्षेत्रों में इको-टूरिज्म का विकास इस अवधारणा के अनुरूप किया जा सकता है, जिससे स्थानीय समुदायों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण भी सुनिश्चित होगा।

इसके अतिरिक्त, पर्यटन को "समावेशी विकास" के दृष्टिकोण से भी देखा जाता है, क्योंकि यह ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

मध्य प्रदेश में पर्यटन उद्योग की स्थिति

मध्य प्रदेश में पर्यटन उद्योग का विकास पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय रहा है। राज्य में वन्यजीव पर्यटन, सांस्कृतिक पर्यटन, धार्मिक पर्यटन तथा साहसिक पर्यटन के विभिन्न रूप विकसित हुए हैं। राज्य सरकार द्वारा लागू की गई पर्यटन नीतियाँ, जैसे निवेश प्रोत्साहन एवं अवसंरचना विकास, इस क्षेत्र के विस्तार में सहायक रही हैं।

राज्य में पर्यटन से रोजगार सृजन, स्थानीय व्यवसायों का विकास तथा क्षेत्रीय संतुलन में सुधार हुआ है। खजुराहो, उज्जैन, ओंकारेश्वर, कान्हा एवं बांधवगढ़ जैसे स्थान पर्यटन के प्रमुख केंद्र बन चुके हैं।

हालांकि, ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन का विकास अभी भी सीमित है। संसाधनों की असमान उपलब्धता, प्रशासनिक बाधाएँ तथा निवेश की कमी इस क्षेत्र के समग्र विकास में बाधा उत्पन्न करती हैं।

International Journal of Engineering, Science and Humanities
An international peer reviewed, refereed, open-access journal
Impact Factor 8.3 www.ijesh.com ISSN: 2250-3552

बैतूल जिले में पर्यटन की संभावनाएँ

बैतूल जिला प्राकृतिक पर्यटन के लिए अत्यंत उपयुक्त क्षेत्र है। यहाँ के प्रमुख आकर्षणों में सतपुड़ा की पहाड़ियाँ, जलप्रपात, वन क्षेत्र तथा जनजातीय संस्कृति शामिल हैं। यह क्षेत्र इको-टूरिज्म, एडवेंचर टूरिज्म तथा सांस्कृतिक पर्यटन के लिए व्यापक संभावनाएँ प्रदान करता है।

स्थानीय हस्तशिल्प, पारंपरिक मेलों तथा धार्मिक स्थलों के माध्यम से पर्यटन को और अधिक विकसित किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, होम-स्टे मॉडल तथा ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देकर स्थानीय लोगों की आय में वृद्धि की जा सकती है।

यदि उचित निवेश, प्रशिक्षण एवं प्रचार-प्रसार किया जाए, तो बैतूल जिले को एक प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकता है।

साहित्य समीक्षा

पर्यटन उद्योग को आर्थिक विकास के एक सशक्त साधन के रूप में व्यापक रूप से स्वीकार किया गया है। भाटिया (2019) के अनुसार पर्यटन न केवल सेवा क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण भाग है, बल्कि यह विभिन्न सहायक उद्योगों जैसे परिवहन, आतिथ्य, हस्तशिल्प और स्थानीय व्यापार को भी सक्रिय करता है। चंद्रा और कुमार (2021) ने अपने अध्ययन में पाया कि भारत में पर्यटन क्षेत्र का आर्थिक विकास पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है तथा यह क्षेत्रीय असमानताओं को कम करने में सहायक होता है। इसी प्रकार, खान (2022) ने उभरती अर्थव्यवस्थाओं में पर्यटन की भूमिका का विश्लेषण करते हुए निष्कर्ष निकाला कि पर्यटन उद्योग स्थानीय आय में वृद्धि, रोजगार सृजन और बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। इन अध्ययनों से यह स्पष्ट होता है कि पर्यटन केवल एक मनोरंजन गतिविधि नहीं है, बल्कि यह व्यापक आर्थिक परिवर्तन का माध्यम है, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहाँ औद्योगिक विकास सीमित है।

सतत पर्यटन (Sustainable Tourism) की अवधारणा हाल के वर्षों में विशेष महत्व प्राप्त कर चुकी है। गुप्ता और सिंह (2018) ने अपने अध्ययन में यह दर्शाया कि पर्यटन के विकास के साथ पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। यदि पर्यटन का विकास अनियंत्रित रूप से किया जाता है, तो इससे प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन तथा पर्यावरणीय क्षति हो सकती है। पटेल और शर्मा (2020) ने इको-टूरिज्म के माध्यम से जनजातीय समुदायों के आर्थिक सशक्तिकरण पर बल दिया है और बताया कि यह मॉडल ग्रामीण क्षेत्रों के लिए अत्यंत लाभकारी हो सकता है। यूएनडब्ल्यूटीओ (2021) ने भी सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) के संदर्भ में पर्यटन की भूमिका को रेखांकित करते हुए यह स्पष्ट किया कि पर्यटन उद्योग को पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समावेशन और आर्थिक विकास के संतुलन के साथ विकसित किया जाना चाहिए। इस प्रकार, साहित्य यह संकेत करता है कि पर्यटन का विकास केवल आर्थिक दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि पर्यावरणीय और सामाजिक दृष्टिकोण से भी संतुलित होना चाहिए।

मध्य प्रदेश में पर्यटन उद्योग की स्थिति पर विभिन्न अध्ययनों और सरकारी रिपोर्टों में विस्तृत चर्चा की गई है। मध्य प्रदेश सरकार (2023) की पर्यटन नीति में राज्य के पर्यटन स्थलों के विकास, निवेश को प्रोत्साहन

International Journal of Engineering, Science and Humanities
An international peer reviewed, refereed, open-access journal
Impact Factor 8.3 www.ijesh.com ISSN: 2250-3552

तथा अवसंरचना के विस्तार पर विशेष बल दिया गया है। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय (2022) द्वारा प्रकाशित आँकड़ों के अनुसार, मध्य प्रदेश में घरेलू एवं विदेशी पर्यटकों की संख्या में निरंतर वृद्धि देखी गई है। शर्मा और वर्मा (2019) ने अपने अध्ययन में यह पाया कि बेहतर अवसंरचना, जैसे सड़क, परिवहन और आवास सुविधाएँ, पर्यटन विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। इसके अतिरिक्त, सिंह (2023) ने डिजिटल मार्केटिंग के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि आधुनिक तकनीकों के उपयोग से पर्यटन स्थलों की पहुँच और लोकप्रियता में वृद्धि की जा सकती है। इन अध्ययनों से यह स्पष्ट होता है कि मध्य प्रदेश में पर्यटन उद्योग के विकास के लिए नीतिगत समर्थन और तकनीकी नवाचार दोनों ही महत्वपूर्ण हैं।
पर्यटन उद्योग के समक्ष आने वाली चुनौतियों पर भी अनेक शोधों में प्रकाश डाला गया है। तिवारी और यादव (2018) ने भारतीय पर्यटन उद्योग की प्रमुख समस्याओं का विश्लेषण करते हुए बताया कि अवसंरचना की कमी, अपर्याप्त निवेश, सुरक्षा संबंधी चिंताएँ तथा विपणन की कमजोरी इस क्षेत्र के विकास में बाधा उत्पन्न करती हैं। विश्व बैंक (2024) की रिपोर्ट में भी यह उल्लेख किया गया है कि विकासशील देशों में पर्यटन के विस्तार के लिए नीतिगत सुधार, संस्थागत सुदृढ़ीकरण और वित्तीय निवेश की आवश्यकता होती है। खान (2022) के अनुसार, यदि इन चुनौतियों का समाधान प्रभावी रूप से किया जाए, तो पर्यटन उद्योग आर्थिक विकास का एक प्रमुख चालक बन सकता है। इस प्रकार, साहित्य यह दर्शाता है कि पर्यटन क्षेत्र में संभावनाओं के साथ-साथ कई संरचनात्मक और प्रशासनिक चुनौतियाँ भी मौजूद हैं, जिनका समाधान आवश्यक है।
उपलब्ध साहित्य से यह स्पष्ट होता है कि पर्यटन उद्योग में अपार संभावनाएँ होने के बावजूद इसके विकास के लिए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है। विभिन्न अध्ययनों में यह सुझाव दिया गया है कि सरकार, निजी क्षेत्र और स्थानीय समुदाय के बीच सहयोग स्थापित करके पर्यटन क्षेत्र को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। विशेष रूप से ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों, जैसे बैतूल जिला, में पर्यटन के विकास के लिए स्थानीय संसाधनों का उपयोग, कौशल विकास तथा जागरूकता कार्यक्रम अत्यंत आवश्यक हैं। डिजिटल तकनीकों, नवाचार और सतत विकास नीतियों के माध्यम से पर्यटन उद्योग को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाया जा सकता है। अंततः, यह साहित्य समीक्षा इस निष्कर्ष पर पहुँचती है कि यदि योजनाबद्ध रणनीतियों और प्रभावी नीतियों को अपनाया जाए, तो पर्यटन उद्योग न केवल आर्थिक विकास को गति देगा, बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय संतुलन को भी बनाए रखेगा।

अनुसंधान समस्या

मध्य प्रदेश, जिसे मध्य प्रदेश "भारत का हृदय" कहा जाता है, प्राकृतिक संसाधनों, ऐतिहासिक धरोहरों तथा सांस्कृतिक विविधता से समृद्ध राज्य है। राज्य में पचमढ़ी, कान्हा राष्ट्रीय उद्यान, और भीमबेटका शैलाश्रय जैसे प्रमुख पर्यटन स्थल मौजूद हैं, जो पर्यटन विकास की व्यापक संभावनाओं को दर्शाते हैं। इसके बावजूद, राज्य की अर्थव्यवस्था में पर्यटन उद्योग का योगदान अपेक्षाकृत सीमित बना हुआ है, विशेषकर आदिवासी बहुल और पिछड़े क्षेत्रों जैसे बैतूल जिला में। बैतूल जिला प्राकृतिक सौंदर्य, वन्यजीव संसाधनों,

International Journal of Engineering, Science and Humanities
An international peer reviewed, refereed, open-access journal
Impact Factor 8.3 www.ijesh.com ISSN: 2250-3552

सांस्कृतिक परंपराओं और धार्मिक स्थलों से संपन्न होने के बावजूद पर्यटन की दृष्टि से अपेक्षित विकास प्राप्त नहीं कर पाया है। यहाँ बुनियादी अवसंरचना (जैसे सड़क, परिवहन, आवास), पर्यटन सुविधाओं की कमी, विपणन एवं प्रचार-प्रसार की अपर्याप्तता, तथा स्थानीय समुदाय की सीमित भागीदारी प्रमुख बाधाएँ हैं। इसके अतिरिक्त, पर्यावरणीय असंतुलन, संसाधनों का अपर्याप्त प्रबंधन, तथा नीतिगत क्रियान्वयन में कमी भी पर्यटन विकास को प्रभावित करती हैं। इस संदर्भ में मुख्य अनुसंधान समस्या यह है कि "मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था में पर्यटन उद्योग की वास्तविक संभावनाओं का प्रभावी दोहन क्यों नहीं हो पा रहा है, विशेष रूप से बैतूल जिले में?" साथ ही यह अध्ययन यह भी जांचता है कि किन सामाजिक, आर्थिक, और प्रशासनिक कारकों के कारण पर्यटन विकास बाधित हो रहा है तथा इन चुनौतियों का समाधान किस प्रकार किया जा सकता है। अतः यह शोध पर्यटन उद्योग की वर्तमान स्थिति, संभावनाओं और बाधाओं का समीक्षात्मक विश्लेषण करते हुए बैतूल जिले के लिए एक व्यावहारिक एवं सतत् विकास मॉडल प्रस्तुत करने की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

निष्कर्ष

उपरोक्त समीक्षात्मक अध्ययन के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था में पर्यटन उद्योग एक महत्वपूर्ण और गतिशील क्षेत्र के रूप में उभर रहा है, जो न केवल राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान देता है बल्कि रोजगार सृजन, क्षेत्रीय संतुलित विकास और सांस्कृतिक संरक्षण में भी अहम भूमिका निभाता है। विशेष रूप से बैतूल जिले के संदर्भ में यह स्पष्ट होता है कि यहाँ प्राकृतिक संसाधनों, जैव विविधता, वन क्षेत्र, जलप्रपातों तथा जनजातीय संस्कृति के रूप में पर्यटन विकास की अपार संभावनाएँ विद्यमान हैं। हालांकि, इन संभावनाओं के बावजूद अवसंरचना की कमी, परिवहन सुविधाओं का अभाव, सीमित निवेश, अपर्याप्त प्रचार-प्रसार तथा प्रशासनिक समन्वय की कमजोरियाँ इस क्षेत्र के विकास में प्रमुख बाधाएँ उत्पन्न करती हैं। यदि इन चुनौतियों का समाधान योजनाबद्ध एवं रणनीतिक दृष्टिकोण से किया जाए, तो बैतूल जिले को एक प्रमुख इको-टूरिज्म एवं सांस्कृतिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकता है। इसके लिए आवश्यक है कि सरकार प्रभावी नीतियों का निर्माण करे, निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा दे, डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से पर्यटन स्थलों का व्यापक प्रचार करे तथा स्थानीय समुदायों को पर्यटन गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल करे। साथ ही, सतत पर्यटन के सिद्धांतों को अपनाकर पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक विकास के बीच संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। इस प्रकार, पर्यटन उद्योग को एक समावेशी एवं टिकाऊ विकास मॉडल के रूप में विकसित करके मध्य प्रदेश, विशेष रूप से बैतूल जिले की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ और आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है।

International Journal of Engineering, Science and Humanities
An international peer reviewed, refereed, open-access journal
Impact Factor 8.3 www.ijesh.com ISSN: 2250-3552

संदर्भ सूची

1. भाटिया, ए. के. (2019). Tourism development: Principles and practices (2nd ed.). स्टर्लिंग पब्लिशर्स।
2. चंद्रा, आर., & कुमार, एस. (2021). Tourism and economic growth in India: An empirical analysis. Journal of Tourism Studies, 15(2), 45–60.
3. मध्य प्रदेश सरकार। (2023). Madhya Pradesh tourism policy 2023. पर्यटन विभाग, मध्य प्रदेश।
4. गुप्ता, वी., & सिंह, आर. (2018). Sustainable tourism development in India: Issues and challenges. International Journal of Tourism Research, 20(3), 312–320.
5. खान, एम. ए. (2022). Role of tourism in regional economic development: A study of emerging economies. Economic Review, 18(1), 55–70.
6. भारत सरकार, पर्यटन मंत्रालय। (2022). India tourism statistics 2022. भारत सरकार।
7. पटेल, आर., & शर्मा, पी. (2020). Eco-tourism and tribal livelihood: A case study approach. Journal of Rural Development, 39(2), 88–99.
8. शर्मा, ए., & वर्मा, एस. (2019). Infrastructure and tourism growth: Evidence from Indian states. Tourism Management Perspectives, 30, 100–110.
9. सिंह, एस. (2023). Digital marketing strategies in tourism sector: Opportunities and challenges. Journal of Marketing Analytics, 11(1), 34–48.
10. तिवारी, डी., & यादव, आर. (2018). Challenges in Indian tourism industry: A critical review. Asian Journal of Tourism Research, 10(3), 122–135.
11. यूएनडब्ल्यूटीओ (UNWTO). (2021). Tourism for inclusive growth: Advancing the sustainable development goals. United Nations World Tourism Organization.
12. विश्व बैंक (World Bank). (2021). Tourism for development: Policy and practice. World Bank Publications.